B-III
L-03
MIH

द्वितीय कर्नाटक युद्ध - 1749-54

→ कारण :-

दोनो कम्पनियों की महत्वाकांक्षा।

- हैदराबाद एवं कर्नाटक में उत्तराधिकार का युद्ध
- हैदराबाद में नासिर जंग एवं मुजफ्फर जंग के बीच युद्ध।

कर्नाटक - अनवरूद्दीन - चांदा साहेब के बीच युद्ध
(अंग्रेज समर्थक) (फ्रांसीसी समर्थक)

→ 1749 में अम्बूर की लड़ाई में फ्रांसीसी गुट की जीत हुई।
फ्रांसीसी प्रभाव का अंग्रेजों ने विरोध किया।

→ क्लाइव ने कर्नाटक की राजधानी अर्काट में फ्रांसीसियों को चुनौती दी और तिरूचिरापल्ली में स्ट्रिंजर लारेंस ने भी फ्रांसीसियों को चुनौती दी तथा दोनों को सफलता मिली लेकिन अंततः कर्नाटक पर अंग्रेजों का अप्रत्यक्ष प्रभाव स्थापित हुआ और हैदराबाद पर फ्रांसीसियों का अप्रत्यक्ष प्रभाव बना रहा

→ 1754 में अंग्रेजों के दबाव में फ्रांसीसी सरकार ने डूप्ले को वापिस बुला लिया और 1755 में दोनों कंपनियों के बीच पाण्डुचेरी की सन्धि हुई।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
JAIPUR

तृतीय कर्नाटक युद्ध - 1756 - 63 (58-63)
भारत में

कारण :- यूरोप एवं अमेरिका में सप्तवर्षीय युद्ध चल रहा था (अंग्रेजों एवं फ्रांसीसी के मध्य)

→ दोनों कम्पनियों की महत्वाकांक्षा।

→ 1760 - वांडीवाश में ब्रिटिश सेनापति आयरकूट लाली (फ्रांसीसी गवर्नर) को पराजित किया।

→ यह फ्रांसीसियों की निर्णायक पराजय थी।

→ 1763 में पेरिस की सन्धि के द्वारा यह युद्ध समाप्त हुआ फ्रांसीसियों ने यह वादा किया कि भारत में सेना नहीं रखेंगे, व्यापारी केन्द्रों की किलेबंदी नहीं करेंगे। भारत में केवल व्यापार करेंगे।

कर्नाटक युद्ध का भारत किस के दृष्टिकोण से महत्व :-

- एक महत्वपूर्ण प्रतिद्वंदी फ्रांसीसियों को रास्ते से हटाया
- कर्नाटक पर अंग्रेजों का अप्रत्यक्ष प्रभाव स्थापित हुआ।
- द्वितीय युद्ध में अंग्रेजों की सफलता से इनका आत्म विश्वास बढ़ा और यह बंगाल युद्ध में उपयोगी साबित हुआ।

KGS IAS

- अंग्रेजों ने इस तथ्य को समझा कि भारत में उत्तराधिकार का मुद्दा, राजनीतिक एकता की कमी इत्यादि साम्राज्य विस्तार के लिए अवसर है।
- इस तथ्य को भी समझा की भारतीय सैनिकों को यदि यूरोपियन तरीके से प्रशिक्षित किया जाए तो उनके तरह यह समान ही योग्य है।
- यदि भारतीय सैनिको को नियमित वेतन दिया जाये तो यह पूरी निष्ठा से अपने मालिक के लिए लड़ेंगे।
- भारत में राष्ट्रीय चेतना का अभाव है यह अनुभव भी साम्राज्य विस्तार में लाभदायक है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR